शहर के सभी 1,226 नाले अतिक्रमण की चपेट में, जलभराव से परेशान लोग

नालों पर कब्जा, पानी तो भरेगा ही

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊः जलनिकासी के लिए शहर में बना ड्रेनेज सिस्टम अवैध कब्जों के कारण बेकार हो गया है। शहर में कुल 1,226 नाले हैं, लेकिन इनमें एक भी ऐसा नहीं है, जो अवैध कब्जों से मुक्त हो। इसके उलट नगर निगम के अफसर नालों से कब्जे हटवाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे। यही वजह है कि शहर में बारिश होते ही शहर के कई इलाकों में दो से ढाई फुट तक जलभराव हो जाता है।

घसियारी मंडीः नाले पर 50 से अधिक निर्माण

घसियारी मंडी स्थित नाले पर 50 से अधिक मकान और दुकानें बनी हैं। इस कारण नाले की ठीक से सफाई तक नहीं हो सकती। इस बार बारिश में इस इलाके में कई बार कमर तक पानी भरा। शिकायत के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटवाया गया। इस कारण घसियारी मंडी के करीब 10 हजार लोग जलभराव से परेशान हैं।

राजाजीपुरमः हैदर कैनाल पर 60% अतिक्रमण

राजाजीपुरम सेक्टर-डी स्थित हैदर कैनाल नाले के 60% हिस्से पर कब्जा है। नाले के ऊपर दुकानें बन चुकी हैं। इसके अलावा नाले के किनारे की जमीन पर करीब 200 मकान बन चुके हैं। जलभराव से परेशान लोग कई बार पार्षद से इस बारे में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कब्जा न बटने से जलभराव से निजात नहीं मिल रही।

ठाकुरगंजः नाले का 50% कब्जे में

हरदोई रोड पर बन रही ठाकुरगंज पुलिया का काम अवैध कब्जों की वजह से ही तेजी से नहीं हो पा रहा। इस कारण पुलिया का काम तीन महीने से अटका है। पीडब्ल्यूडी ने नगर निगम और जिला प्रशासन को कई बार रिपोर्ट भेजी। नाले का 50 फीसदी हिस्सा अतिक्रमण की चपेट में है। नाले के ऊपर तक दर्जनों मकान बन गए हैं।

इंदिरानगरः नाले पर बन गईं दुकानें

इंदिरानगर सेक्टर-8 से निकला नाला कुकरैल में मिलता है। सेक्टर-8, 9, 10 और 11 का ड्रेनेज इससे निकलता है। पॉलिटेक्निक फ्लाईओवर के पास इसे ड्रेन पाइप से फैमिली बाजार की तरफ नाले में जोड़ा गया है। पाइप डेढ़ फुट ऊंची है। आगे तीन किमी तक 300 से अधिक दुकानों का अतिक्रमण है।

सबसे अधिक 224 नाले जोन-6 में

जोन	नाले
1	108
2	138
3	213
4	121
5	101
6	224
7	162
8	74
आरआर	85

रहीमनगरः दो किमी तक दुकानें

रहीमनगर स्थित कुकरैल नाले में सड़क के दोनों ओर से कई छोटे नाले गिरते हैं। करीब दो किमी तक इन नालों पर अवैध निर्माण हो चुका है। दोनों नाले पूरी तरह से ढंके हैं। यहां विकासनगर, रहीमनगर, खुर्रमनगर और महानगर के इलाकों का ड्रेनेज गिरता है, लेकिन अब कब्जे के कारण इन इलाकों में जलभराव की स्थिति बन रही है।

नालियों पर बने रैंपः मोहल्लों में नालियों के जरिए ही नालों में पानी जाता है। ज्यादातर इलाकों में नालियां गायब हैं या उन पर रैंप बन गए हैं। जल निकासी न होने से सड़कों पर पानी जमा होता है।

अतिक्रमण की लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस बल न मिलने से समस्या है। प्रशासन से सहयोग मिलते ही कार्रवाई करेंगे।

उदयराज सिंह, नगर आयुक्त

'जरा-सी बारिश में क्यों भर रहा पानी'

डीएम ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर मांगा जवाब, नालों से अतिक्रमण हटाने पर मांगी विस्तृत रिपोर्ट

■ **एनबीटी संवाददाता, लखनऊः** शहर में 16 अगस्त की रात दो घंटे मूसलाधार बारिश के बाद लोग कई घंटे जलभराव और ट्रैफिक जाम से जूझते रहे। इस वाकये के बाद डीएम राजशेखर ने नगर आयुक्त उदयराज सिंह को पत्र लिखकर जलभराव के कारणों पर जवाब मांगा है। शहर में जलनिकासी की व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी नगर निगम, जल निगम और जलकल की है। डीएम ने नगर निगम से नालों की साफ-सफाई न होने, चोक होने, पक्का अतिक्रमण कर नाला बंद करने समेत सभी कारणों की विस्तृत रिपोर्ट 25 अगस्त तक मांगी है। इसके साथ जल निगम से ड्रेनेज प्लान और नालों के फ्लो का विवरण फोटोग्राफ सहित 30 अगस्त तक देने को कहा गया है। डीएम ने बताया कि रिपोर्ट मिलने के बाद पूरी प्लानिंग कर सभी दिक्कतें दूर की जाएंगी।